HOME DEPARTMENT

The 18th February, 1986

No. 2236/D-2.—Whereas it appears to the Governor of Haryana that the land specified below is needed by the Government at public expense for a public purpose, namely, for the construction of family quarters for the staff of Police Station, Safidon, district Jind, it is hereby notified that the land in the locality specified below is needed for the above purpose.

This notification is made under the provisions of section 4 of the Land Acquisition Act, 1894, for the information of all to whom it may concern.

In exercise of the powers conferred by the aforesaid section, the Governor of Haryana hereby authorises the officers with their servants and workmen for the time being engaged in the undertaking, to enter upon and survey any land in the locality and to do all other acts required or not not by that section.

Any person interested, who has any objections to the acquisition of the land in the locality may within a period of thirty days of the publication of this notification in the official Gazette or in newspapers or publicity in the locality whichever is later, file an objection in writing before the Sub-Divisional Officer (Civil)-cum-Land Acquisition Collector, Safidon, District Jind.

The plans of the land may be inspected in the office of Sub-Divisional Officer (Civil)-cum-Land Acquisition Collector, Safidon, District Jind.

SPECIFICATIONS

District	ict Tehsil Village Area Khasra No. in acres		Khasra No.	Area		
' 					κ .	M
Jind	Safidon	Safidon	19 kanals	103/22/2	3	10
			15 marlas	23/2	4	05
				110/1/2	4	. 00
		•	•	2	8	00
·					19	15

L. C. GUPTA,

Secret ry to Government, Haryana, Home Department.

गृह विभाग

दिनांक 18 फरवरी, 1986

संख्या 2236/डी-2.—चंूिक हरियाणा के राज्यपांत को प्रतीत होता है कि नीचे विनिद्धिष्ट भूमि सरकार द्वारा सरकाओं खर्च पर सार्वजनिक प्रयोजन अर्थात् पुलिस थाना, सफीदों, जिला जींद के स्टाफ के लिए पारिवारिक क्वाटरों के निर्मीण के लिए अर्थेक्षित है, इस लिए इसके द्वारा अधिम्चित किया जातः है कि निस्तिविधित परिक्षेत्र में विनिद्धित्व भूमि उपरोक्त प्रयोजन के लिए अर्थेक्षित है।

यहं अधिसूचना भूमि अर्जन अधिनियम, 1894, की धारा 4 के उपवन्धों के अधीन उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए की जाती है, जिसका इससे सम्बन्ध हो। पूर्वीक्त धारा द्वारा प्रदान की गई अपितयों का प्रयोग करते हुए हिस्याणा के राज्यपाल इस सभय इस कार्य में लगे प्रधिकारियों को उनके सेवकों तथा कर्मकारों सहित परिक्षेत्र में किसी भि में प्रवेश और सर्वेक्षण करने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित या अनुज्ञात सभी अन्य कार्य करने के लिये इसके द्वारा प्रक्षित या अनुज्ञात सभी अन्य कार्य करने के लिये इसके द्वारा प्रक्षित या अनुज्ञात सभी अन्य कार्य करने के लिये इसके द्वारा प्रक्षित या अनुज्ञात सभी अन्य कार्य करने के लिये इसके द्वारा प्रक्षित या

कोई हितबत व्यक्ति जिसे परिक्षेत्र में भूमि के अर्थन के सम्बाह में कोई म्राक्षेप हो. इस ध्रिधसूचना के राजपन्न में या दो समाचार पत्नों में प्रकाशन की या उस परिक्षण में प्रचार की ति । से, जो भी बाद में हो, तीस दिन की मबिश् कें भीतर उप मण्डल अधिकारी (नांगरिक) एवं भूमि अर्थन कर्नैक्टर, समादों, जिला जींद के सम्मुख लिखितकूप से दायुद्ध कर सकता है।

भूमि के नक्यों का विरीक्षण उप मण्डल अधिकारी एवं भूमि प्रर्जन कन्न्स्टर, सफीदीं, जिला जीद के कार्यांत्य में किया जा सकता है।

বিখিছিল

जिला	तहसील .	ग्राम	क्षेद्रफल	वसरा	च्या	क्षे वफ ल क्षे	
				_		स्त्रील सनील	मरले
जीन्द	सफीवों	सफीदो	19 बनाल	1	3	3	10
	· _		15 मरले	22	2		
	•			2.3	2	4	05
				11		4	00 (
				1/2	_		
		•		2		8	00
						. 19	15

एल सी गुस्ता, रुविव, इरियाणा सरकार, मृद्द विभाग ।

HOME (JAILS) DI PARTMENT

The 19th Febuar, 1986

No. 30/19/84-JJ(6).—The Central Committee of Examination, Haryana, had declared the following result of the Departmental Examination held i November, 1985 for the officials appointed as members of the Haryana Prisons Services-III, Sub A sistant Superintendent Jails and Assistant Superintendent Jails in respect of the paper indicated as insteach:—

Serial No.	Name and Designation	Remarks
 ,	Paper I—Jail Manual (ithout Appendices)	
` 1	Shri Dharam Singh, Asstt. Supdt. Jail	Passed in lower Standard
2	Shri Shishu Pal Singh, Asstt. Supdt. Jail	Ditto

Serial No.	Name and Designation	Remarks			
3 Shri	i Raj Kumar, Asstt. Supdt., Jail.	Failed			
4 Shri	Dharam Pal Verma, Sub. Asstt. Supdt., Jail.	\mathbf{D}_{ij}			
	Paper H-Jail Manual (With Appendices)				
1 Shri	Ishwar Singh, Asstt. Supdt., Jail.	Failed			
2 Shri	Dharam Pal Verma, Sub. Asstt. Supdt., Jail.	Passed in lower Standard.			
3 Shri	i Raj Kumar, Asstt. Supdt., Jail.	Ditto			
4 Shri	Hira Singh Yadav, Asstt. Supdt., Jail,	Ditto			
5 Shri	Dharam Singh, Asstt. Supdt., Joil.	Failed.			
6 Shr	i Kaushlendra Saren, Asstt. Supdt., Jeil.	Do			
7 Shr	Shishu Pal Singh, Asstt. Supdt., Jail.	Passed in lower Standard.			
•	Paper III- Crimira l				
1 Shr	i Hawa Singh Hooda, Asstt. Supdt., Jail.	Failed			
	Paper IV-Financial Rules				
1 Shr	i Raj Kumar, Asstt. Supdt., Jail.	I ailed			
⊋ Shri	2 Shri Shishu Pal Singh, Asstt. Supdt., Jail.				
3 Shr	3 Shri Kaushlendra Saran, Asstt. Supdt., Jail.				
4 Shr	i Dharam Singh, Asstt. Supdt., Jail.	Do			
	Paper V- Hindi (in Dev Nagri Scr	ript)			
1 Shr	i Dharam Singh, Asstt. Supdt., Jail.	Passed in lower Standard.			

L. C. GUPTA,

Secretary to Government, Haryana, Jails Department.

FINANCE DEPARTMENT

(REGULATION)

The 4th February, 1986

No. 1/1-2/P.F.R./86-SAO (FD).—In exercise of the powers conferred by clause (2) of article 283 of the Constitution of India and all other powers enabling him in this behalf, the Governor of Haryana hereby makes the following rules further to amend the Punjab Financial Rules, Volume I. in their application to the State of Haryana, namely:—

- 1. These rules may be called the Punjab Financial, Volume I (Haryana First Amendment) Rules, 1986.
 - 2. In the Punjab Financial Rules, Volume I (hereinafter called the said rules), -
 - (a) for the words "Government servant" or "Government servants" wherever occurring the words "Government employee" or "Government employees" respectitively, shall be substituted; and

- (b) unless there is something repugnant in the subject or context, for the word "Punjab" wherever it occurs with reference to the Les stative Assembly, State Public Service Commission, any Department, Service or Organistion, Government, Governor Accountant-General, any Office or Officer of the State, the word "Haryana" shall be substituted.
- 3. In the said rules, in rule 1.8, for the words "ten p ise" the words "twenty paise" shall be substituted.
 - 4. In the said rules, in rule 2.4, in the note, the exception thereunder shall be omitted.
 - 5. In the said rules, in rule 2.13, in clause (a), for the words "cash book", the words "cheque book" shall be substituted.
 - 6. In the said rules, in rule, 2.36, Note 3 shall be o litted.
 - 7. In the said rules, in the existing Schedule to Annexure 2. for the entres under column "eacht of Account", the following entries respectively shall be subst uted, namely:—

Serial No.

Head of Account

- 1 039. "State Excise (I)
- 2 040. Sales Tax.
- 3 035. Taxes on Immovable Property other than Agriculti e Land.
- 4 133. Irrigation, Navigation, Drainage and Flood Control Projects.
- 5 133. Irrigation, Navigation. Drainge and Flood Control Projects.
- 6 065. Other Administrative Services, A-Administration of Justice.
- 7 065. Other Administrative Services, A-Administration Ustice.
- 8 105. Agriculture.
- 9 110. Animal Husbandry.
- 10 110. Animal Husbandry.
- 11 721. Loans for Village and Small Industries
- 12 682. Loans for Public Health, Sanitation and Water Supply.
 - 684. Loans for Urban Development.
 - 705. Loans for Agriculture.
 - 721. Loans for Village and Small Industries.
- 13 098. Co-operation."

M. C. GUPTA,

Financial Commissic for and Secretary to Government, Haryana, Finance Department, Chandigarh.

वित्त विभाग

विनियम

दिनांक 4 फरवरी, 1915

सं 1/1-2/पी ०एफ ० ग्रार 0/86-विरि० ले ० ग्रु॰ (विल्ल). — भारत । संविधान के ग्रनु च्छेद 283 के खण्ड (2) क्रारा प्रदास की गई शक्तियों भीर इस निमित उन्हें समर्थ बनाने वाली सभी ग्रन्थ । क्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा पंजाब वित्त नियम, जिल्द I को हरियाणा राज्यार्थ ग्रागे सप्त धित करने के लिए निम्नलिखित नियम काते हैं, ग्रंथित :—

1. ये नियम पंजाब बित्त नियम, जिल्द 🛘 (हरियाणा प्रथम मंशोधन) नियम, 1986, कहे जा सकते हैं।

- 2. पंजाब किस्त नियम, जिल्द में जिसे इसमें इसके पण्चात उक्त नियम कहा गया है),--
 - (क) ''सरकारी सेवक या सरकारी सेवकों'' शब्द जहां कहीं भी ब्राएं उनके स्थान पर कमग: ''सरकारी कर्मचारी या सरकारी कर्मचारियों'' शब्द रखें जाएंगे, ब्रौर
 - (ख) जब तक कोई बात विषय ग्रथवा संदर्भ में विरुद्ध न हो, जहां कहीं भी "पंजाव" शब्द विश्वान सभा, राज्य लोक सेवा श्रायोग, किमी विभाग सेवा श्रथवा संगठन, सरकार, राज्यपाल, महावेदापाल, किसी कार्यालय ग्रथवा राज्य के श्रधिकारी के प्रति निर्देश सेवाएं, उसके स्थान पर "हरियाणा" शब्द रखा जाएगा।
- उक्त नियमों में, नियम 1.8 में 'दस पैसे' कब्दों के स्थान पर 'बीस पैसे' मन्द रखे जाएंगें।
- 4. उक्ष्त नियमों में नियम 2.4 में टिप्पण में उसके नीचे दिए गये मपचाद को लोग कर दिया जाएगा।
- 5. उक्त नियमों में, नियम 2·13 में खुण्ड (क) ''रोकड़ बही" शब्दों के स्थान पर ''चैंक बुक" सब्द रखें जाएंगे।
- उनत नियमों में, नियम 2, 36 में, टिप्पण 3 लोप कर दिया जाएगा।
- उक्त नियमों में, उपबन्ध 'खं' की विद्यमान भनुसूची में लेखा शीर्ष खाने के बीचे प्रविश्टियों के स्थान-थर, कमण: निम्नलिखित प्रविश्टियां रखी जाएगी, भ्रथीत्:—

त्रभांक लेखा शीर्ष

- 1. ("0.39 राज्य उत्पाद शुत्क (1)
- 040 বিক্লী কখ।
- 035 कृषि भिम में भिन्न ग्रचल सम्पति पर कर।
- 1 33 सिचाई, नोचालन, जल निकास तथा बाद नियन्त्रण परियोजनाए ।
- 133 सिचाई, नौचालन, जल निकास तथा बाद्ध नियन्वणा परियोजनांए ।
- 065 अन्य प्रशासकीय सेवाएं क-न्याय,प्रशासन ।
- 7. 065 ग्रन्य प्रणासकीय संवाएं क-न्याय प्रणासम्।
- 8, 105 कृषि।
- 9, 110 पश्पालन ।
- 10 110 पण्पालन।
- 11. 721 ग्रामीण तथा लगु उधीगी के लिए ऋण।
- 12. 682 लोक स्वास्थ्य, सफाई तथा जल सप्लाई के लिए ऋण ।
 684 शहरी विकासके लिए ऋण ।
 705 कृषि के लिए ऋण ।
 721 ग्रामीण तथा लधु उधोगों के लिए ऋण ।
- 13, 098 सहकारिता'।"

एम० सी० गुप्ता, वित्तायुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार, वित्त विभाग;वण्डीगढ़ः।